

# सच्चा मक़दिस



*sachchā maqdis*

The True Temple

by Bakhtullah

[Ao, Khud Dekh Lo 5]

(Urdu—Hindi script)

© 2023 [www.chashmamedia.org](http://www.chashmamedia.org)

*published and printed by*

Good Word, New Delhi

The title cover is a collage of

Chakkree-Chantakad <https://pixabay.com/images/id-4821585/>;

OpenClipart-Vectors <https://pixabay.com/images/id-1300109/>;

aalmeidah <https://pixabay.com/images/id-3589838/>;

R. Gunter

<https://freebibleimages.org/illustrations/rg-king-jesus/>;

J. Kemp/R. Gunter

<https://freebibleimages.org/illustrations/lis-peter-lame-man/>.

Bible quotations are from UGV.

*for enquiries or to request more copies:*

[askandanswer786@gmail.com](mailto:askandanswer786@gmail.com)

## फ़हरिस्त

लेले के खून से नजात	1
मक्रदिस में मंडी	2
मक्रदिस : पाक मक्राम	2
मक्रदिस : खुदा के हुज़ूर आने का मक्राम	3
मक्रदिस : बाप का मक्राम	3
मसीह सच्ची परस्तिश क्रायम करेगा	4
अपनी ग़लती के लिए अंधे	5
इनसान मक्रदिस को पाक नहीं रख सकता	6
मसीह ही सच्चा मक्रदिस और लेला है	7
इंजील, यूहन्ना 2:13-22	8

फ़सह की ईद करीब आ गई। यह एक बहुत अहम ईद थी।

### ► इस ईद पर यहूदी क्या मनाते थे?

यह कि ख़ुदा ने इसराईलियों को मिसर की गुलामी से छुड़ाया। उस वक़्त ख़ुदा ने फ़रमाया था कि इसराईली एक लेले का ख़ून दरवाज़े के चौखटों पर लगाएँ। जिसने ऐसा किया उसके सब घरवाले ज़िंदा रहे। जिसने ऐसा न किया उसका पहलौठा मर गया। रात के वक़्त मिसरियों में बड़ा हल्ला मच गया, क्योंकि जेल के कैदी से लेकर फ़िरौन तक उनके तमाम पहलौठे मर गए थे। तब मिसर का बादशाह इसराईलियों को छोड़ने पर मजबूर हुआ।

## लेले के ख़ून से नजात

एक लेले के ख़ून ने उन्हें ख़ुदा के ग़ज़ब से बचाया।

एक लेला नजात का बाइस बन गया।

यह लेला सिर्फ़ यरूशलम के मक़दिस में ज़बह किया जा सकता था। इस मौक़े पर ईसा मसीह अपने शागिर्दों के साथ यरूशलम पहुँच गया।

### ► जाने का क्या मक़सद था? वह वहाँ क्या सिखाना चाहता था?

## मक़दिस में मंडी

जब वह बैतुल-मुक़द्दस पहुँचे तो क्या देखते हैं, बैरूनी सहन में बड़ी मंडी लगी हुई है। उसमें लातादाद गाय-बैल, भेड़ें और कबूतर बिक रहे हैं। एक तरफ़ मेज़ों की क़तार लगी हुई है। वहाँ सर्राफ़ बैठे आम सिक्के ख़ास सिक्कों में बदल रहे हैं। मामूल के सिक्के मना थे, इसलिए जो आता था उसे अपने सिक्के इन ख़ास सिक्कों में बदलना था।

हर तरफ़ डकारते गाय-बैल, मिमियाती भेड़-बकरियाँ, गूँगूँ करते कबूतर, मोल तोल में लगे सौदागरों की चीख-पुकार।

यह कुछ देखते ही ईसा मसीह आपे से बाहर हुआ। वह रस्सियों का कोड़ा बनाकर सब पर टूट पड़ा। उसने भेड़ों और गाय-बैलों को बाहर हाँक दिया, पैसे बदलनेवालों के सिक्के बिखेर दिए और उनकी मेज़ें उलट दीं। कबूतर बेचनेवालों को उसने कहा, “इसे ले जाओ। मेरे बाप के घर को मंडी में मत बदलो।”

## मक़दिस : पाक मक़ाम

### ► वह क्यों इतने गुस्से हुआ?

बैतुल-मुक़द्दस वह मुक़द्दस जगह था जहाँ इनसान ख़ुदा के हुज़ूर आकर उसकी परस्तिश कर सकता था। उस ख़ुदा की जो न सिर्फ़ अज़ीम है बल्कि जो पाक भी है। जिसके सामने गुनाहगार इनसान क़ायम नहीं रह सकता। उसे मंडी में बदलना सख़्त गुनाह था।

इस दुनिया में हर तरफ़ दीनी मंडियाँ लगी रहती हैं। जहाँ लोग पूजा और परस्तिश करते हैं वहाँ पैसे कमाना आसान है। जो आम बाज़ार में पैसा गिन गिनकर सौदा मोल लेता है वह दीन के मामलों में अंधा-धुंद देता है।

► क्यों?

ज़ाहिर है, कौन अपने देवता या ख़ुदा को नाराज़ करना चाहता है? इस बिना पर मज़हब को पेशा बना दिया गया है।

## **मक़दिस : ख़ुदा के हुज़ूर आने का मक़ाम**

यहाँ ईसा मसीह ने न बैतुल-मुक़द्दस कहा न मक़दिस।

► उसने क्या कहा?

मेरे बाप का घर।

► क्या ख़ुदा वहाँ बसता था?

नहीं। जिसने सब कुछ ख़लक़ किया वह न बैतुल-मुक़द्दस न किसी और जगह रहता है। मगर यह घर उसका निशान था, वह मक़ाम जिससे ज़ाहिर होता था कि वह अपनी क़ौम के साथ है। जहाँ उसके इमाम उसे क़ुरबानियाँ पेश करते थे। इसलिए ईमानदार बड़ी ईदों पर जहाँ मुमकिन था वहाँ आया करते थे।

## **मक़दिस : बाप का मक़ाम**

► मेरे बाप का घर। मेरे बाप कहकर वह क्या कहना चाहता है?

मेरा खुदा बाप से खास रिश्ता है, फ़रज़ंद का पाक रिश्ता।  
यही वजह है कि वह इतने गुस्से हुआ।  
बाप का घर मेरा घर भी है। और इसी को तुमने मंडी में बदल डाला  
है। परस्तिश और दुआ की जगह मोल तोल की मंडी बन गई है। खुदा  
इसका मरकज़ नहीं रहा। उसकी तौहीन हो रही है।

## मसीह सच्ची परस्तिश क़ायम करेगा

नबियों ने बार बार इस तौहीन का ज़िक्र किया था। यों यरमियाह नबी  
ने फ़रमाया था,

क्या तुम्हारे नज़दीक यह मकान जिस पर मेरे ही नाम  
का ठप्पा लगा है डाकुओं का अड्डा बन गया है? ख़बर-  
दार! यह सब कुछ मुझे भी नज़र आता है।  
(यरमियाह 7:11)

नबियों ने इससे बढ़कर साफ़ बताया था कि इनसान अपनी कोशिशों  
से सच्ची परस्तिश कर ही नहीं सकता। इसलिए एक वक़्त आएगा जब  
ख़ुदा खुद, अल-मसीह के ज़रीए यह सच्ची परस्तिश क़ायम करेगा। यों  
ज़करियाह नबी सदियों पहले पेशगोई करता है कि उस वक़्त सौदाबाज़ी  
ख़त्म हो जाएगी।

उस दिन से रब्बुल-अफ़वाज के घर में कोई भी सौदागर  
पाया नहीं जाएगा। (ज़करियाह 14:21)

यसायाह नबी ने भी इस मसीहाना ज़माने की पेशगोई की थी,

मेरा घर तमाम क्रौमों के लिए दुआ का घर कहलाएगा।  
(यसायाह 56:7)

गरज़, ईसा मसीह अपने अमल और कलाम से ज़ाहिर कर रहा है कि वह अल-मसीह है जो सच्ची परस्तिश का यह ज़माना शुरू करने आया है।

## अपनी ग़लती के लिए अंधे

- ▶ दूसरे लोग यह देखकर क्या करते हैं?  
वह पूछते हैं कि “आप हमें क्या इलाही निशान दिखा सकते हैं ताकि हमें यक़ीन आए कि आपको यह करने का इख़्तियार है?”
- ▶ क्या आपने कुछ महसूस किया?  
उन्होंने सोचा तक नहीं कि यह काम ग़लत है। वह समझते हैं कि जो ज़्यादा ताक़त दिखाए वही हक़ में है।
- ▶ क्या वह कलाम से वाक़िफ़ नहीं थे? क्या उनको नहीं पता था कि मंडी का यह इंतज़ाम ग़लत है?  
ज़रूर। वह पाक नविशतों से वाक़िफ़ थे। लेकिन इस दुनिया में कौन पूछता है कि क्या ग़लत और क्या सही है? हर एक अपने नफ़ा और फ़ायदे के पीछे लगा रहता है। ऐसे लोग किसी की बात सिर्फ़ इस सूरत में मानते हैं कि वह उनसे ज़्यादा ज़बरदस्त हो।



इसी लिए वह इस्त्रियार का सवाल छेड़ते हैं। कहते हैं कि कोई इलाही निशान दिखाओ जिससे पता चले कि तुम ज़्यादा ताक़तवर और ज़बर-दस्त हो।

## **इनसान मक़दिस को पाक नहीं रख सकता**

► ईसा मसीह क्या जवाब देता है? क्या वह कोई शानदार मोज़िज़ा दिखाता है?

नहीं। वह एक पहेली पेश करता है : “इस मक़दिस को ढा दो तो मैं इसे तीन दिन के अंदर दुबारा तामीर कर दूँगा।”

पूछनेवाले चौंक उठे। वह बोले, “बैतुल-मुक़द्दस को तामीर करने में 46 साल लग गए थे और आप इसे तीन दिन में तामीर करना चाहते हैं?” बैतुल-मुक़द्दस इतनी मेहनत से तैयार हो गया है, और अब भी तामीर का काम जारी है। यह किस तरह हो सकता है कि आप उसे तीन दिन में तामीर कर सकें?

लेकिन ईसा मसीह कुछ और कहना चाहता है। पहले, इनसान मक़दिस का यह इंतज़ाम पाक रखने में फ़ेल है। यह इस मंडी से ज़ाहिर हो रहा है। इसलिए जल्द ही एक वक़्त आएगा जब उसे ढा दिया जाएगा। और कुछ सालों बाद ऐसा ही हुआ। रोमियों ने इस शानदार मक़ाम का सत्यानास किया।

इससे खुदा ज़ाहिर करेगा कि इनसान उसे पाक नहीं रख सकता। इनसान अपनी कोशिशों से खुदा तक नहीं पहुँच सकता। इसके लिए यह दुनियावी मक़दिस काफ़ी नहीं है।

लेकिन यहूदी एक और मक़दिस भी ढा देंगे : अल-मसीह को जो खुदा तक का सच्चा रास्ता है। वह उसे रद करके सलीब पर चढ़ाएँगे।

## **मसीह ही सच्चा मक़दिस और लेला है**

लेकिन यह दूसरा मक़दिस क़ब्र में नहीं रहेगा बल्कि जी उठेगा। और यह इलाही मक़दिस इनसान का अपने साथ रिश्ता क़ायम करेगा। जिस काम में इनसान खुद फ़ेल था उसे वह खुद सरंजाम देगा। वही जो सच्चा मक़दिस है। जो कुरबानी का सच्चा लेला है। जो हमारी ख़ातिर मुआ और जी उठा। जिससे हमें अपने गुनाहों से नजात मिली है।

बैतुल-मुक़द़स को ढा दिया गया और आज तक नए सिरे से तामीर नहीं हुआ। लेकिन मसीह जी उठा। वह एक पाक और अबदी मक़दिस है जिसके वसीले से हम खुदा के हुज़ूर आ सकते हैं। जिससे हम उसके फ़रज़ंद बन सकते हैं। और यह मक़दिस किसी मक़ाम पर महदूद नहीं रहता। हम हर जगह इस मक़दिस के ज़रीए खुदा से राबता कर सकते हैं। हर जगह हम खुदा की पाक परस्तिश कर सकते हैं।

► आपका क्या मक़दिस है? खुदा तक पहुँचने का आपका क्या पाक रास्ता है? क्या आप दुनिया की किसी दीनी मंडी में उलझे हुए हैं? या मसीह आपका सच्चा मक़दिस है?

## इंजील, यूहन्ना 2:13-22

जब यहूदी ईदे-फ़सह करीब आ गई तो ईसा यरूशलम चला गया। बैतुल-मुक़द्दस में जाकर उसने देखा कि कई लोग उसमें गाय-बैल, भेड़ें और कबूतर बेच रहे हैं। दूसरे मेज़ पर बैठे ग़ैरमुल्की सिक्के बैतुल-मुक़द्दस के सिक्कों में बदल रहे हैं।

फिर ईसा ने रस्सियों का कोड़ा बनाकर सबको बैतुल-मुक़द्दस से निकाल दिया। उसने भेड़ों और गाय-बैलों को बाहर हाँक दिया, पैसे बदलनेवालों के सिक्के बिखेर दिए और उनकी मेज़ें उलट दीं। कबूतर बेचनेवालों को उसने कहा, “इसे ले जाओ। मेरे बाप के घर को मंडी में मत बदलो।”

यह देखकर ईसा के शागिर्दों को कलामे-मुक़द्दस का यह हवाला याद आया कि “तेरे घर की ग़ैरत मुझे खा जाएगी।”

यहूदियों ने जवाब में पूछा, “आप हमें क्या इलाही निशान दिखा सकते हैं ताकि हमें यक़ीन आए कि आपको यह करने का इख़्तियार है?”

ईसा ने जवाब दिया, “इस मक़दिस को ढा दो तो मैं इसे तीन दिन के अंदर दुबारा तामीर कर दूँगा।”

यहूदियों ने कहा, “बैतुल-मुक़द्दस को तामीर करने में 46 साल लग गए थे और आप इसे तीन दिन में तामीर करना चाहते हैं?”

लेकिन जब ईसा ने “इस मक़दिस” के अलफ़ाज़ इस्तेमाल किए तो इसका मतलब उसका अपना बदन था। उसके मुरदों में से जी उठने के बाद उसके शागिर्दों को उसकी यह बात याद आई। फिर वह कलामे-मुक़द्दस और उन बातों पर ईमान लाए जो ईसा ने की थीं।